डॉ0 कुसुम पन्त
अपर राज्य परियोजना निदेशक

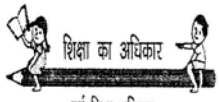

"उत्तराखण्ड सभी के लिए शिक्षा परिषद्
राज्य परियोजना कार्यालय
ननूरखेड़ा (निकट विद्यालयी शिक्षा निदेशालय)
तपोवन मार्ग, रायपुर, देहरादून(उत्तराखण्ड)
दूरभाष 0135– 2781941,2781942,2781943
website: http://ssa.uk.gov.in email – spd-ssa@nic.in

सेवा में,

जिला परियोजना अधिकारी,
सर्व शिक्षा अभियान, समस्त जनपद, उत्तराखण्ड।

पत्रांक : अ0रा0प0नि0/2402/पैडा0–77 (विविध) /2014–15 दिनांक मार्च 2015

विषय : **माह अप्रैल 2015 से प्रारम्भ होने वाले नवीन शैक्षिक सत्र में सुधारात्मक शिक्षण हेतु प्रस्तावित सुझावात्मक कार्ययोजना का प्रेषण।**

महोदय,

निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा द्वारा पत्रांक–बेसिक/27827–28–50/विविध/ 2014–15 दिनांक 13–03–2015 के माध्यम से प्रारिम्भक शिक्षा के विद्यालयों के लिए सत्र 2015–16 के लिए शैक्षिक पंचाग जारी किया गया है। शैक्षिक पंचाग के अनुसार कार्य करते हुए माह अप्रैल 2015 से प्रारम्भ होने वाले नवीन शैक्षिक सत्र में बच्चों के संप्राप्ति स्तर मे सुधार हेतु निदेशक अकादमिक, शोध एवं प्रशिक्षण उत्तराखण्ड, देहरादून द्वारा इस कार्यालय को प्रेषित सुधारात्मक शिक्षण हेतु सुझावात्मक कार्ययोजना के मुख्य बिन्दु भी आपको प्रेषित किये जा रहे हैं।

1. **अप्रैल प्रथम सप्ताह –(प्रारम्भिक स्तर के समस्त विद्यालयों हेतु)**
   - विद्यालय चलो अभियान, नामांकन।
   - विगत सत्र में वितरित व अच्छी स्थिति में उपलब्ध पुस्तकों का संग्रह/बुक–बैंक का निर्माण।
   - जनपद, राज्य व देश सम्बन्धी सामान्य ज्ञान ।
   - परिचयात्मक खेल, जागरूकता खेल, शान्ति खेल, भाषायी व गणितीय खेलों का आयोजन।
   - स्वच्छता जागरूकता–कार्यक्रम।

2. **अप्रैल द्वितीय सप्ताह—(प्रारम्भिक स्तर के समस्त विद्यालयों हेतु)**
   - स्वास्थ्य जॉच कार्यक्रम –विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (CWSN) के प्रमाण पत्र बनवाना।
   - बच्चों के वास्तविक शैक्षिक स्तरों की पहचान व प्रगति की कार्ययोजना निर्माण करना।

3. **अप्रैल तृतीय सप्ताह से मई द्वितीय सप्ताह तक–**
   - विद्यालय तत्परता कार्यक्रम :– इसके अन्तर्गत निम्नवत् गतिविधियां सम्पादित की जा सकती हैं –
   -

कक्षा 1 व 2	कक्षा 3 से 5	कक्षा 6 से 8
विभिन्न प्रकार के भाषाई, गणितीय, परिचयात्मक, शान्ति, चैतन्यता खेल,	भाषाई, गणितीय, परिचयात्मक, शान्ति व चैतन्यता खेल	सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण में सीखी गयी गतिविधियों का संचालन
एक प्रार्थना, लोकगीत	दो प्रार्थना, लय–ताल के साथ राष्ट्रगान/राष्ट्रगीत	लय–ताल के साथ प्रातः कालीन गतिविधियों का संचालन
हिन्दी, अंग्रेजी बालगीत सुनकर दोहराना व सुनाना	हिन्दी, अंग्रेजी व संस्कृत के बालगीत	कहानी सुनकर प्रश्नों के उत्तर देना/कहानी सुनाना व प्रश्न पूछना

कहानी सुनकर दोहराना, सरल वाक्य पढ़ना	कहानी सुनना व सुनाना, सरल अपठित गद्यांश व कविताओं को पढ़ना व सरल प्रश्नों के उत्तर देना	आत्म–बोध जागृत करने की गतिविधियों (किशोर किशोरियों के लिए जीवन–शिक्षा)
कला कार्य, हस्तशिल्प–काफ्ट, पेपर फोल्डिंग, मिट्टी का काम	कला कार्य, हस्तशिल्प, काफ्ट, मॉडल निर्माण	कला कार्य, हस्तशिल्प कार्य, श्रम के कार्य, परिवेश व कक्षा–कक्ष की सजावट, काफ्ट, व मॉडल निर्माण
परिवेश के पेड़–पौधों पशु–पक्षियों की पहचान	परिवेशीय भ्रमण के माध्यम से बस्ती की जानकारी जुटाना, वार्तालाप, अवलोकन व संग्रह के कौशलों का विकास	परिवेशीय भ्रमण, बस्ती के इतिहास, भू–भाग, लोकजीवन व जीव जन्तुओं का अवलोकन, विश्लेषण व प्रस्तुतीकरण
शब्दों का श्रुतलेख	6 से 10 वाक्यों तक का श्रुतलेख	श्रुतलेख–हिन्दी व अंग्रेजी
गिनना व गिनती लिखना, वस्तुओं के साथ जोड़ना व घटाना	चारों मूलभूत गणितीय संक्रियाएँ (जोड़, घटना, गुणा व भाग)	कक्षा 1 से 5 तक के समस्त सम्बोधों को प्राप्त करना व विगत कक्षा के सम्बोध प्राप्त कराना
बस्ती व आस–पास की सामान्य जानकारी	सामान्य ज्ञान, जनपद व राज्य संबंधी जानकारियाँ, मान चित्र में पहचानना व मानचित्र पढ़ना	सामान्य ज्ञान–राज्य व देश सम्बन्धी जानकारियों, मानचित्र में पहचान व मानचित्र पढ़ना
अधिकतम प्रतिदिन 4 वाक्यों तक की कविताओं का पठन व नए शब्दों को पहचान कर लिखना	कक्षा 3 के एल0एल0ए0 परिणामों के आधार पर सुधारात्मक कदम उठाना	प्रत्येक कक्षा के परिणामों के विश्लेषण के आधार पर सुधारात्मक कदम उठाना

कृपया उक्तानुसार आवश्यक कार्यवाही कर साप्ताहिक आख्या से राज्य परियोजना कार्यालय को अवगत कराना सुनिश्चित करें।

भवदीय

27.3.15

(डॉ0 कुसुम पन्त)
अपर राज्य परियोजना निदेशक
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पृ0सं0– अ0रा0प0नि0/ 2402 / पैडा0–77 (विविध) 2014–15 तद्दिनांक।

प्रतिलिपि–

1. महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड के संज्ञानार्थ प्रेषित।
2. निदेशक, माध्यमिक शिक्षा/प्रारम्भिक शिक्षा उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. मुख्य शिक्षा अधिकारी, समस्त जनपद उत्तराखण्ड को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
4. समस्त प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान को इस आशय से प्रेषित कि अपने स्तर से भी उक्त कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।

27.3.15

(डॉ0 कुसुम पन्त)
अपर राज्य परियोजना निदेशक
उत्तराखण्ड, देहरादून।